कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा "विश्व दलहन दिवस" का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली द्वारा आज दिनाँक 10 फरवरी, 2022 को जी॰टी॰आर॰ इंटर कॉलेज, गजनेरा रोड, भुता, बरेली में "विश्व दलहन दिवस" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जानकारी देते हुये कृषि विज्ञान केन्द्र, बरेली के विषय वस्तु विशेषज्ञ श्री राकेश पाण्डे ने जानकारी दी कि शाकाहारियों के भोजन में प्रोटीन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए दलहनों के महत्व को देखते हुये संयुक्त राष्ट्र संघ ने 10 फरवरी, 2019 को "विश्व दलहन दिवस" आयोजित करने का निर्णय लिया था और आज इसी क्रम में इस वर्ष चौथा ""विश्व दलहन दिवस" मनाया जा रहा है

जिसके अन्तर्गत देश भर के कृषि से संबन्धित संस्थानों कृषि विश्व–विद्यालयों, कृषि विज्ञान केन्द्रों में सेमिनार, प्रशिक्षण कार्यक्रम, कृषक गोष्ठी, प्रदर्शनी तथा प्रतियोगितायें आयोजित करके लोगों को दालों के सेवन, दलहनी फसलों की खेती के लिये जागरूक तथा प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उन्होंने मानव आहार विशेष रूप से शाकाहारियों के आहार में दालों के महत्व, विभिन्न दालों के पोषण मान, उत्तर प्रदेश तथा बरेली जनपद में दलहनी फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल, उत्पादन, उत्पादकता, देश में दलहन की माँग, उपलब्धता तथा दालों के आयात आदि के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी देते हुये दलहनी फसलों की खेती करने पर राइजोबियम बैक्टीरिया के माध्यम से मृदा उत्पादकता में सुधार, दलहनी फसलों के अन्तर्गत आने वाली कृषि फसलों, सब्जी वर्गीय फसलों तथा कृषि वानिकी में उपयोगी दलहनी कुल के वृक्षों के सम्बन्ध में जानकारी दी। जनपद के लिये उपयुक्त विभिन्न दलहनी फसलों की खेती, प्रजातियों, उनकी शस्य

क्रियाओं, नवीनतम प्रजातियों तथा तकनीकों को अपनाकर शुद्ध फसल तथा सहफ़सली खेती करके दलहनी फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल तथा उत्पादकता बढ़ाने के सम्बन्ध में छात्रों को विस्तार से जानकारी दी। दलहनी फसलों के अवशेषों के पशु आहार में उपयोग, दलहनी फसलों के अवशेषों तथा वर्तमान में गन्ने की कटाई से प्राप्त फसल अवशेषों को खेत में ही मिलाकर मृदा स्वास्थ्य सुधार के सम्बन्ध में भी जानकारी दी गई।

इस अवसर पर श्री दुर्गा दत्त शर्मा जी ने दलहनी फसलों पर दिये गए वक्तव्य तथा सामान्य ज्ञान पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें 20 छात्रों ने सही जवाब दिया जिन्हें पुरुसकृत किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के 95 छात्रों, 5 अध्यापकों, प्रिंसिपल तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के तीन वैज्ञानिकों ने भागीदारी की। कृषि विज्ञान केन्द्र के श्री मनीष तोमर ने कार्यक्रम का संचालन तथा सभी सहभागियों और विद्यालय के प्रिंसिपल श्री चन्द्र पाल गंगवार जी का धन्यवाद किया।